# रसास्वादनम।

## अवबोधनम्।

**अ. एकवाक्येन उत्तरं लिखत।**

*१. अदितेः **का** जिज्ञासा?

**उत्तर:** अदितेः **नाट्यशास्त्रविषयिणी** जिज्ञासा।

*२. **केन** नाट्यशास्त्रं विरचितम्?

**उत्तर:** **भरतमुनिना** नाट्यशास्त्रं विरचितम्।

३. अदितेः शालया **किं** सुनिश्चितम्?

**उत्तर:** अदितेः शालया **राज्यनाट्यस्पर्धायाः कृते संस्कृतनाट्यस्य प्रयोगः करणीयः इति** सुनिश्चितम्।

४. अदित्या **का** अभिनेतव्या?

**उत्तर:** अदित्या **झाशीराज्ञी लक्ष्मीबाई** अभिनेतव्या।

५. दिग्दर्शकेन **किं** कथितम्?

**उत्तर:** **वीररसप्रधानम् एतत् नाटकम् इति** दिग्दर्शकेन कथितम्।

६. भरतमुनिना नाट्यशास्त्रं **कदा** विरचितम्?

**उत्तर:** भरतमुनिना नाट्यशास्त्रं **ख्रिस्तपूर्वं तृतीयशतके** विरचितम्।

७. ग्रन्थे मुनिना **किं** कथितम् अस्ति?

**उत्तर:** ग्रन्थे **नाट्योपयुक्तानां रसानां विषये तेषां भावविषये अपि** मनिना कथितम अस्ति।

८. अभिनयं कर्तुम् उत्सुका छात्रा **का?**

**उत्तर:** अभिनयं कर्तुम् उत्सुका छात्रा **अदितिः**।

९. शालया राज्यनाट्यस्पर्धायाः कृते **कस्य** प्रयोगः करणीयः?

**उत्तर:** शालया राज्यनाट्यस्पर्धायाः कृते **संस्कृतनाट्यस्य** प्रयोगः करणीयः।

१०. नाटकविषये अदितये **केन** कथितम्?

**उत्तर:** नाटकविषये अदितये **दिग्दर्शकेन** कथितम्।

११. **किं** नाम पञ्चमो वेदः?

**उत्तर:** **नाट्यशास्त्रम्** नाम पञ्चमो वेदः।

**ब. उचितं पर्यायं चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।**

*१. ________ नाम रसाः? (काः / के / कानि)

**उत्तर:** **के** नाम रसाः?

*२. किं कारणं ________ जिज्ञासायाः?

(ते / त्वाम् / त्वया)

**उत्तर:** किं कारणं **ते** जिज्ञासायाः?

३. छात्रा ________ प्रति गत्वा पृच्छति।

(अध्यापिका / अध्यापिकायै / अध्यापिकाम्)

**उत्तर:** छात्रा **अध्यापिकां** प्रति गत्वा पृच्छति।

४. शालया________कृते संस्कृतनाट्यस्य प्रयोग: करणीय:।
(राज्यनाट्यस्पर्धया / राज्यनाट्यस्पर्धाया:/ राज्यनाट्यस्पर्धायै)

उत्तर: शालया **राज्यनाट्यस्पर्धाया:** कृते संस्कृतनाट्यस्य प्रयोग: करणीय:।

५. ________रसाभिव्यक्ति: कथं संभवति?
(नाट्यस्य / नाट्येषु / नाट्यात्)

उत्तर: **नाट्येषु** रसाभिव्यक्ति: कथं संभवति।

**क. क: कं वदति?**

१. 'किं कारणं ते जिज्ञासाया:?'

उत्तर: **आचार्या अदितिं वदति।**

२. 'तद्विषये प्रष्टुमहमागता।'

उत्तर: **अदिति: आचार्यां वदति।**

३. 'नाट्यशास्त्रं नाम पञ्चमो वेद:।'

उत्तर: **आचार्या अदितिं वदति।**

४. 'नाट्येषु रसाभिव्यक्ति: कथं संभवति?'

उत्तर: **अदिति: आचार्यां वदति।**

**ड. सत्यं वा असत्यम् इति लिखत।**

१. छात्रा अध्यापिकां प्रति गत्वा पृच्छति।

उत्तर: **सत्यम्**।

२. अभ्यासविषयिणी जिज्ञासा अदितिं प्रेरयति।

उत्तर: **असत्यम्**।

३. शालया संस्कृतनाट्यस्य प्रयोग: करणीय:।

उत्तर: **सत्यम्**।

४. अदित्या वीरमाता जिजाबाई अभिनेतव्या।

उत्तर: **असत्यम्**।

५. भरतमुनिना नाट्यशास्त्रं विरचितम्।

उत्तर: **सत्यम्**।

६. ख्रिस्तपूर्वं द्वितीयशतके नाट्यशास्त्रं विरचितम्।

उत्तर: **असत्यम्**।

**इ. उचितं कारणं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत।**

१. अदितिः अध्यापिकां प्रति गच्छति। यतः ________
(सखी तां पीडयति। / नाट्यविषयिणी जिज्ञासा तां प्रेरयति।)

**उत्तरः** अदितिः अध्यापिकां प्रति गच्छति। यतः **नाट्यविषयिणी जिज्ञासा तां प्रेरयति।**

२. ________ अतः तद्विषये तां प्रष्टुम् अदितिः गता।
(नाट्यशास्त्रं नाट्यरसान् च अध्यापिका जानाति / अध्यापिका अदितेः गुणान् जानाति)

**उत्तरः** **नाट्यशास्त्रं नाट्यरसान् च अध्यापिका जानाति** अतः तद्विषये तां प्रष्टुम् अदितिः गता।

## पृथक्करणम्।

अ. गद्यांशं पठित्वा वृक्षरेखाचित्रं पूरयत।

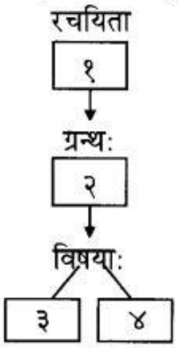


**उत्तरः** १. **भरतमुनिः।** २. **नाट्यशास्त्रम्।**
३. **रसाः।** ४. **भावाः।**

## शब्दज्ञानम्।

**अ. गद्यांशे पर्यायवाचिशब्दं चिनुत।**

१. शिष्या, विद्यार्थिनी = **छात्रा।**
२. शिक्षिका = **अध्यापिका, आचार्या।**
३. नाटकम्, रूपकम् = **नाट्यम्।**
४. पाठशाला, विद्यालयः = **शाला।**
५. कार्यः, कर्तव्यः = **करणीयः।**
६. संहिता, आम्नायः, श्रुतिः = **वेदः।**
७. प्राज्ञः, बुद्धिमान्, धीमान्, पण्डितः = **बुधः।**

**ब. गद्यांशे विलोमपदं चिनुत।**

१. अनुत्सुका × **उत्सुका।**

२. आगत्य, आगम्य × **गत्वा।**

३. गता × **आगता।**

४. मूढा:, मूर्खा: × **बुधा:।**

५. अनुपयुक्तम् × **उपयुक्तम्।**

**क. समूहेतरं पदं चिनुत।**

१. संभवति, मन्यते, पृच्छति, जानाति

उत्तर: **मन्यते।**

२. कर्तुम्, गत्वा, प्रष्टुम्

उत्तर: **गत्वा।**

३. विरचितम्, आगता, अभिनेतव्या, कथितम्,

उत्तर: **अभिनेतव्या।**

४. करणीय:, अभिनेतव्या, शालया

उत्तर: **शालया।**

५. माम्, भवत्या:, अहम्, मया

उत्तर: **भवत्या:।**

६. प्रति, अत:, प्राय:, ते

उत्तर: **ते।**

**ड. चतुर्थपदं लिखत।**

१. प्रच्छ् : प्रष्टुम् :: कृ : ______

**उत्तर:** प्रच्छ् : प्रष्टुम् :: कृ : **कर्तुम्**

२. त्वम् : तव :: भवती : ______

**उत्तर:** त्वम् : तव :: भवती : **भवत्या:**

३. अहम् : मया :: शाला : ______

**उत्तर:** अहम् : मया :: शाला : **शालया**

४. शाला : शालया :: मुनि : ______

**उत्तर:** शाला : शालया :: मुनि : **मुनिना**

५. वि+रच् : विरचितम् :: कथ् : ______

**उत्तर:** वि+रच् : विरचितम् :: कथ् : **कथितम्**

६. प्रष्टुमहम् : प्रष्टुम्+अहम् :: कथितमस्ति : ______

**उत्तर:** प्रष्टुमहम् : प्रष्टुम्+अहम् :: कथितमस्ति : **कथितम्**+अस्ति

**इ. धातुसाधित-अव्ययानां चयनम्।**

१. **गद्यांशे आगतं पूर्वकालवाचक-धातुसाधित-त्वान्त-अव्ययं चित्वा लिखत।**

**उत्तर:** गत्वा।

२. **गद्यांशे आगते हेत्वर्थक-धातुसाधित-तुमन्त-अव्यये चित्वा लिखत।**

**उत्तर:** i. कर्तुम्। ii. प्रष्टुम्।

**फ. सन्धिविच्छेंद कुरुत।**

*१. प्रष्टुमागताहम् = **प्रष्टुम् + आगता + अहम्।**

२. वीररसप्रधानमेतन्नाटकमिति = **वीररसप्रधानम् + एतत् + नाटकम् + इति।**

३. भावविषयेऽपि = **भावविषये + अपि।**

४. भावाश्च = **भावाः + च।**

**ग. सन्धिं कुरुत।**

१. कर्तुम् + उत्सुका = **कर्तुमुत्सुका।**

२. एतत् + नाट्यशास्त्रम् = **एतन्नाट्यशास्त्रम्।**

३. कथितम् + अस्ति = **कथितमस्ति।**

**ह. विशेष्य-विशेषण – अन्वितिः।**

**१. गद्यांशे विशेषणानि चित्वा स्तम्भमेलनं कुरुत।**

| | 'अ' गट | | 'ब' गट |
|---|---|---|---|
| i. | पञ्चमः | अ. | जिज्ञासा |
| ii. | नाट्यविषयिणी | ब. | छात्रा |
| iii. | भरतमुनिविरचितं | क. | वेदः |
| iv. | उत्सुका | ड. | नाट्यशास्त्रम् |

**उत्तरः i. पञ्चमःवेदः।**

**ii. नाट्यविषयिणी जिज्ञासा।**

**iii. भरतमुनिविरचितं नाट्यशास्त्रंम्।**

**iv. उत्सुका छात्रा।**

**अवबोधनम्।**

**अ. एकवाक्येन उत्तरत।**

*१. नाट्ये **कति** रसाः विद्यन्ते?

**उत्तरः** नाट्ये **नव** रसाः विद्यन्ते ।

*२. वीररसस्य प्रधानः गुणः **कः**?

**उत्तरः** **उत्साहः** वीररसस्य प्रधानः गुणः ।

*३. **कः** रसः रसिकान् प्रेरयति?

**उत्तरः** **वीररसः** रसिकान् प्रेरयति ।

४. महानसे **कीदृशं** भोजनमास्वाद्यं भवति?

**उत्तरः** महानसे **षड्रसैर्युक्तं समुचितपाकक्रियाभिः सिद्धं** भोजनमास्वाद्यं भवति।

५. नाट्ये **कीदृशी** कलाकृतिः आस्वादनीया मनोहारिणी च भवति?

**उत्तरः** नाट्ये **विविधभावैर्युक्ता अभिनयसहिता** कलाकृतिः आस्वादनीया मनोहारिणी च भवति।

६. **कानि** नवरसानां नामानि?

**उत्तरः** **शृङ्गारः, हास्यः, रौद्रः, करुणः, वीरः, अद्भुतः, बीभत्सः, भयानकः तथैव शान्तः इति** नवरसानां नामानि।

७. नाट्यशास्त्रे **किं** वर्णितम् अस्ति?

**उत्तरः** नाट्यशास्त्रे **सर्वरसानां देवताः वर्णाःच** वर्णिताः सन्ति।

८. विशेषभावा: **के** इति व्याख्याता:?

**उत्तर:** विशेषभावा: **नाट्यरसा:** इति व्याख्याता:।

९. अभिनयै: **का** वर्तव्या?

**उत्तर:** अभिनयै: **रसनिष्पत्ति:** वर्तव्या।

**ब. उचितपर्यायं चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।**

*१. आचार्ये, वीररसविषये _______ भवती।

(कथय / कथयतु / कथयन्तु)

**उत्तर:** आचार्ये, वीररसविषये **कथयतु** भवती।

२. अन्य: गुण: _______ नाम दृढनिश्चय:।

(अध्यवसाय: / अध्ययनाय / अभ्यास:)

**उत्तर:** अन्य: गुण: **अध्यवसाय:** नाम दृढनिश्चय:।

३. अपर: गुण: _______ बुद्धि:।

(निश्चल: / निश्चला: / निश्चला)

**उत्तर:** अपर: गुण: **निश्चला** बुद्धि:।

४. एतत्सर्वं _______ अवधार्यैवाभिनयं करिष्ये।

(मनांसि / मनसि / मनसी)

**उत्तर:** एतत्सर्वं **मनसि** अवधार्यैवाभिनयं करिष्ये।

**क. क: कं वदति? तद् लिखत।**

१. कति रसा:?

**उत्तर: अदिति: आचार्यां वदति।**

२. वीररसविषये कथयतु भवती।

**उत्तर: अदिति: आचार्यां वदति।**

३. स इतरानपि उत्साहयति।

**उत्तर: आचार्या अदितिं वदति।**

४. अनुगृहीताहं खलु।

**उत्तर: अदिति: आचार्यां वदति।**

५. विजयिनी विनयिनी भव।

**उत्तर: आचार्या अदितिं वदति।**

**ड. सत्यं वा असत्यं तद् लिखत।**

१. दशरसा: ख्याता:।

**उत्तर: असत्यम्।**

२. अस्मिन् शास्त्रे सर्वरसानां वर्णा: वर्णिता:।

**उत्तर: सत्यम्।**

३. उत्साह: रौद्ररसस्य प्रधानगुण:।

**उत्तर: असत्यम्।**

४. अपर: गुण: चञ्चला बुद्धि:।

**उत्तर: असत्यम्।**

५. एष: रस: रसिकान् प्रेरयति।

**उत्तर: सत्यम्।**

**इ. उचितं कारणं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत।**

१. ________ अतः एते नाट्यरसाः।

(फलानां रसाः पोषकाः / विविधभावैर्युक्ता कलाकृतिः आस्वादनीया)

**उत्तर: विविधभावैर्युक्ता कलाकृतिः आस्वादनीया** अतः एते नाट्यरसाः।

२. उत्साहः वीररसस्य प्रधानगुणः। यतः ________

(स इतरानपि उत्साहयति। / सः प्रेक्षकान् हासयति।)

**उत्तर:** उत्साहः वीररसस्य प्रधानगुणः। यतः **स इतरानपि उत्साहयति।**

## पृथक्करणम्।

१. गद्यांशे नवरसानां नामानि चित्वा जालरेखाचित्रं पूरयत।

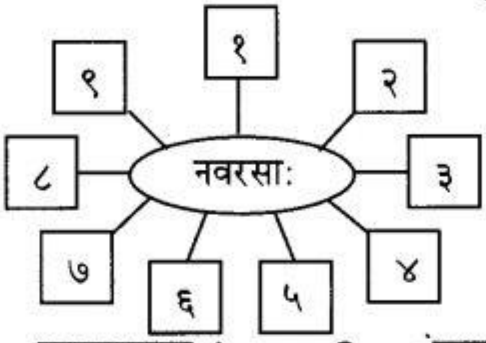


**उत्तर:** १. **शृङ्गाररसः।** २. **हास्यरसः।**

३. **रौद्ररसः।** ४. **करुणरसः।**

५. वीररसः।　　६. अद्भुतरसः।

७. बीभत्सरसः।　　८. भयानकरसः।

९. शान्तरसः।

२. वीररसस्य त्रयः गुणाः गद्यांशे चित्वा लिखत।

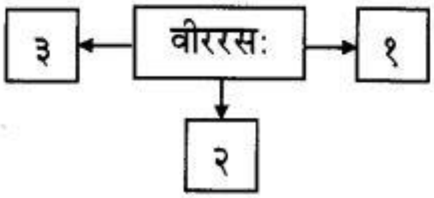


उत्तरः १. उत्साहः।　　२. अध्यवसायः।

३. निश्चला बुद्धिः।

३. वीररसनिष्पत्तये केषां गुणानां प्रभावः अभिनये आवश्यकः तद् गद्यांशे चित्वा जालरेखाचित्रं पूरयत।

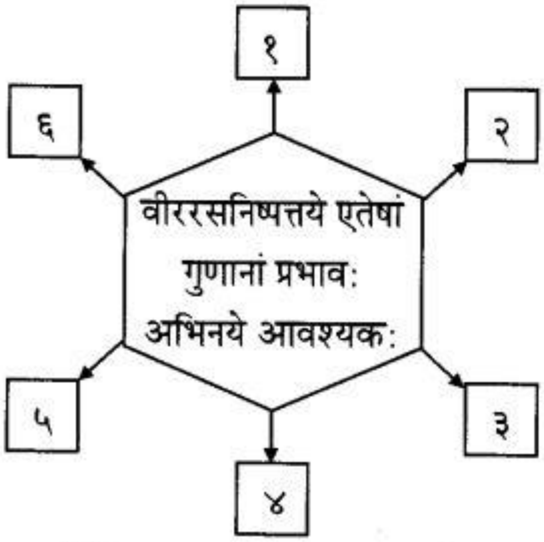


उत्तरः १. स्थैर्यः।　　२. धैर्यः।

३. वीर्यः।　　४. गर्वः।

५. उत्साहः।　　६. पराक्रमः।

## शब्दज्ञानम्।

अ. गद्यांशे समानर्थकशब्दं चित्वा लिखत।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १. | पाकशाला, पाकगृहम् | = | **महानसः/ महानसम्।** |
| २. | खाद्यम्, अन्नम्, भोज्यम् | = | **भोजनम्।** |
| ३. | रमणीया, चित्ताकर्षका | = | **मनोहारिणी।** |
| ४. | प्रसिद्धाः, विश्रुताः, प्रथिताः | = | **व्याख्याताः, ख्याताः।** |
| ५. | देवाः, सुराः, विबुधाः, त्रिदशाः | = | **देवताः।** |
| ६. | दृढनिश्चयः, दृढयत्नः | = | **अध्यवसायः।** |
| ७. | अचला, अविचला | = | **निश्चला।** |
| ८. | मतिः, धीः, धीषणा, प्रज्ञा | = | **बुद्धिः।** |
| ९. | चित्तम्, चेतः, मानसम्, हृदयम् | = | **मनः।** |

ब. गद्यांशे विपरितार्थकशब्दं चित्वा लिखत।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १. | अभिनयरहिता | × | **अभिनयसहिता।** |
| २. | अनन्तरम् | × | **अधुना।** |
| ३. | अवगुणः, दुर्गुणः | × | **गुणः।** |
| ४. | चला, चञ्चला | × | **निश्चला।** |

## क. भिन्नार्थकशब्दानां ज्ञानम्।

### १. रिक्तस्थाने पूरयित्वा वाक्ये पुनर्लिखत।

i. 'वर्णाः' नाम रङ्गाः अक्षराणि च।

अ. नाट्यशास्त्रे सर्वरसानां देवताः वर्णाश्च वर्णिताः।
अस्मिन् वाक्ये वर्णाः नाम ______ ।

ब. वर्णमालायां कति वर्णाः सन्ति?
अस्मिन् वाक्ये वर्णाः नाम ______ ।

**उत्तर:** अ. नाट्यशास्त्रे सर्वरसानां देवताः वर्णाश्च वर्णिताः।
अस्मिन् वाक्ये वर्णाः नाम **रङ्गाः।**

ब. वर्णमालायां कति वर्णाः सन्ति?
अस्मिन् वाक्ये वर्णाः नाम **अक्षराणि।**

ii. 'गुणः' नाम विशेषता, रज्जुः / तन्तुः च।

अ. उत्साहः वीररसस्य प्रधानगुणः।
अस्मिन् वाक्ये गुणः नाम ______ ।

ब. तैलदीपे गुणः प्रज्वलति।
अस्मिन् वाक्ये गुणः नाम ______ ।

**उत्तर:** अ. उत्साहः वीररसस्य प्रधानगुणः।
अस्मिन् वाक्ये गुणः नाम **विशेषता।**

ब. तैलदीपे गुणः प्रज्वलति।
अस्मिन् वाक्ये गुणः नाम **रज्जुः / तन्तुः।**

**ड. समूहेतरपदं चिनुत।**

१. आस्वादनीया, विशेषभावाः, अभिनयसहिता, मनोहारिणी

**उत्तरः विशेषभावाः।**

२. बीभत्सः, करुणः, उत्साहः, अद्भुतः

**उत्तरः उत्साहः।**

३. रौद्रः, हास्यः, भयानकः, गर्वः

**उत्तरः गर्वः।**

४. अनुगृहीता, आस्वादनीया, अभिनयसहिता, भावैर्युक्ता

**उत्तरः अनुगृहीता ।**

५. पराक्रमः, शान्तः, वीर्यः, स्थैर्यः

**उत्तरः शान्तः।**

६. वर्णिताः, व्याख्याताः, कर्तव्या, अनुगृहीता

**उत्तरः कर्तव्या।**

७. भव, कथयतु, करिष्ये

**उत्तरः करिष्ये।**

८. आस्वादनीया, कर्तव्या, आस्वाद्यम्, अध्यवसायः

**उत्तरः अध्यवसायः।**

इ. **चतुर्थपदं लिखत।**

१. षड्रसैर्युक्तम् : षड्रसै : + युक्तम् :: विविधभावैर्युक्ता : ________

**उत्तर**: षड्रसैर्युक्तम् : षड्रसै : + युक्तम् :: विविधभावैर्युक्ता : **विविधभावैः + युक्ता।**

२. वि + जि-जय् : विजयिनी :: वि + नी - नय् : ________

**उत्तर**: वि + जि-जय् : विजयिनी :: वि + नी - नय् : **विनयिनी**

३. ख्या : ख्याताः :: वर्ण् : ________

**उत्तर**: ख्या : ख्याताः :: वर्ण् : **वर्णिताः**

फ. **धातुसाधित-अव्ययानां चयनम्।**

१. **गद्यांशे आगतं पूर्वकालवाचक-धातुसाधित-ल्यबन्त-अव्ययं चित्वा लिखत।**

**उत्तर**: अवधार्य।

ग. **सन्धिविग्रहं कुरुत।**

| | | |
|---|---|---|
| *१. | भोजनमास्वाद्यम् | = **भोजनम् + आस्वाद्यम्।** |
| *२. | इतरानपि | = **इतरान् + अपि।** |
| ३. | षड्रसैर्युक्तम् | = **षड्रसैः + युक्तम्।** |
| ४. | तस्मादेते | = **तस्मात् + एते।** |
| ५. | वर्णाश्च | = **वर्णाः + च।** |
| ६. | अवधार्यैवाभिनयम् | = **अवधार्य + एव + अभिनयम्।** |

ह. **सन्धिं कुरुत।**

१. तथा + एव = **तथैव।**

२. दृढयत्नः + च = **दृढयत्नश्च।**

३. प्रभावात्मकैः + अभिनयैः = **प्रभावात्मकैरभिनयैः।**

४. अनुगृहीता + अहम् = **अनुगृहीताहम्।**

ई. **विशेष्य-विशेषण – अन्वितिः।**

१. **चतुर्थपदं लिखत।**

कलाकृतिः : आस्वादनीया :: भोजनम् : _______

**उत्तर:** कलाकृतिः : आस्वादनीया :: भोजनम् : **आस्वाद्यम्**

२. **योग्यं विशेषणरूपं लिखित्वा रिक्तस्थानपूर्तिंकुरुत।**

i. आस्वाद्यं भोजनम्।

_______ मोदकः।

_______ रोटिका।

**उत्तर:** आस्वाद्यं भोजनम्।

**आस्वाद्यः** मोदकः।

**आस्वाद्या** रोटिका।

ii. निश्चला बुद्धिः।

_______ हिमालयः।

_______ मनः।

**उत्तर:** निश्चला बुद्धिः।

**निश्चलः** हिमालयः।

**निश्चलं** मनः।

**उत्तर:** निश्चला बुद्धि:।

**निश्चल:** हिमालय:।

**निश्चलं** मन:।

iii.

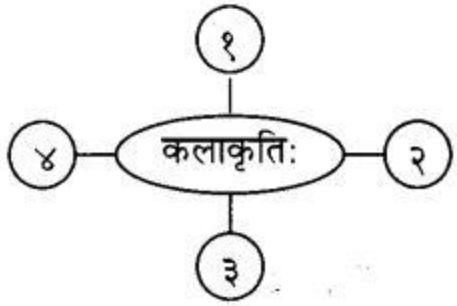


**उत्तर:** १. **विविधभावैर्युक्ता।**

२. **अभिनयसहिता।**

३. **आस्वादनीया।**

४. **मनोहारिणी।**

## सूचनानुसारं परिवर्तनं कुरुत।

*१. नाट्यशास्त्रं नाम _____ वेद:। ('५' इति सङ्ख्यावाचकम् उपयोजयत।)

**उत्तर:** नाट्यशास्त्रं नाम **पञ्चम:** वेद:।

**स्पष्टीकरण** – येथे ५ या संख्येचे क्रमवाचक – पञ्चम → 'वेद' या शब्दाचे विशेषण आहे.

∴ वेद: पुंलिंगी प्रथमा एकवचन.

∴ पञ्चम: वेद:

*२. तद्विषये _____ अहमागता। ('प्रच्छ्' ६ परस्मैपदम् इति धातो: हेत्वर्थकम् उपयोजयत।)

**उत्तर:** तद्विषये **प्रष्टुम्** अहमागता।

*३. एतत्सर्वं संस्मृत्यैवाभिनयमहं _____। ('कृ' ८ आत्मनेपदम् इतिधातो: द्वितीयभविष्यकालस्य योग्यं रूपं प्रयोजयत।)

**उत्तर:** एतत्सर्वं संस्मृत्यैवाभिनयमहं **करिष्ये।**

**स्पष्टीकरण** – येथे 'अहम्' हा कर्ता आहे तो प्रथम पुरुषी एकवचनी असतो.

∴ कर्त्याप्रमाणे क्रियापदही प्रथम पुरुषी एकवचनी योजावे.

'कृ'(८ आत्मनेपद)'करिष्ये'.

४. भरतमुनिना नाट्यशास्त्रं विरचितम्। (प्रयोगपरिवर्तनं कुरुत।).

**उत्तर: भरतमुनि: नाट्यशास्त्रं विरचितवान्।**

**स्पष्टीकरण –**

कर्ता कर्म कर्मणि-भू-धा-वि = कर्मणि-प्रयोग:

३ १ १

भरतमुनिना नाट्यशास्त्रं विरचितम्।

↓ ↓ ↓

भरतमुनि: नाट्यशास्त्रं विरचितवान्।

१ २ १

कर्ता कर्म कर्तरि-भू-धा-वि = कर्तरि-प्रयोग:

५. छात्रा अध्यापिकां प्रति गत्वा पृच्छति। (पूर्वकालवाचकं निष्कासयत।)

**उत्तर:** छात्रा अध्यापिकां प्रति **गच्छति** पृच्छति **च।**

**स्पष्टीकरण –** वाक्यातील पूर्वकालवाचक ओळखा – **गत्वा.**

त्याचा मूळ धातू ओळखा – **गम् → गच्छ्** (१ परस्मैपद)

मुख्य क्रियापदाचा पुरुष, वचन ओळखा. **पृच्छति – 'प्रच्छ् → पृच्छ्'** (६ परस्मैपद) वर्तमानकाळ तृतीय पुरुष एकवचन.

पूर्वकालवाचकातील धातूचे तेच काळ, पुरुष, वचन योजा ∴ **गच्छति**

मुख्य क्रियापदानंतर **'च'** अव्यय घाला.

६. एतत्सर्वं मनसि अवधार्यैवाभिनयं करिष्ये। ('करिष्ये' इति क्रियापदस्य स्थाने विध्यर्थ-क्रियापदं प्रयोजयत।)

**उत्तर:** एतत्सर्वं मनसि अवधार्यैवाभिनयं **कुर्याम्**।

**किंवा**

एतत्सर्वं मनसि अवधार्यैवाभिनयं **कुर्वीय**।

७. (त्वं) विजयिनी विनयिनी भव। ('त्वम्' इति पदस्य स्थाने 'छात्रा' इति पदस्य उपयोगं कुरुत।)

**उत्तर: छात्रा विजयिनी विनयिनी भवतु।**

**स्पष्टीकरण –** 'त्वम्' हा कर्ता द्वितीय पुरुषी एकवचनी आहे.

त्याऐवजी 'छात्रा' कर्ता योजावा जो तृतीय पुरुषी एकवचनी आहे.

∴ क्रियापदात आज्ञार्थ तसाच ठेवून तृतीय पुरुष एकवचनी होईल – भवतु.